RESEARCH & DEVELOPMENT CELL

A Research & Development Cell is a dedicated unit within an organisation that focuses on promoting and supporting research activities. The cell facilitates research projects, encourages collaborations, and aims to enhance the overall research output of the institution.

FUNCTIONING OF RESEARCH & DEVELOPMENT CELL

- To discuss various aspects of the research programme on a timely basis.
- To encourage teachers to take up major and minor research projects.
- To monitor timely submission of proposals.
- To inform them about various funding agencies.
- To evaluate proposals before forwarding them to the desired institutes for approval.
- To coordinate the publication of the research journal.

S. NO.	List of Members	Designation	Signature
1	Dr. Gunjan Shuklaa	Chairperson	Gunjan
2	Mr. Ashish Tiwari	Coordinator	
3	Mr. Mayank Tiwari	Member	Mayank
4	Mr. Ashish Indoriya	Member	Ashish

Gunjan

Principal

SICA College

Principal
SICA COLLEGE
INDORE (M.P.)

RAMASUBRAMANIAN SRIDHAR

Digitally signed by RAMASUBRAMANIAN SRIDHAR
Date: 2026.01.09 14:17:27 +05'30'

Conducted Activities:

1. Students participated and Won in the National Level Research Paper Writing Competition held at SAGE University, Indore.
2. The institute organised an International Conference where faculty and students presented and published research papers.
3. Publication of Edited Book.
4. The Faculty Development Program was organised.
5. Student Development Program on Research Paper Writing.

Activities Photoes

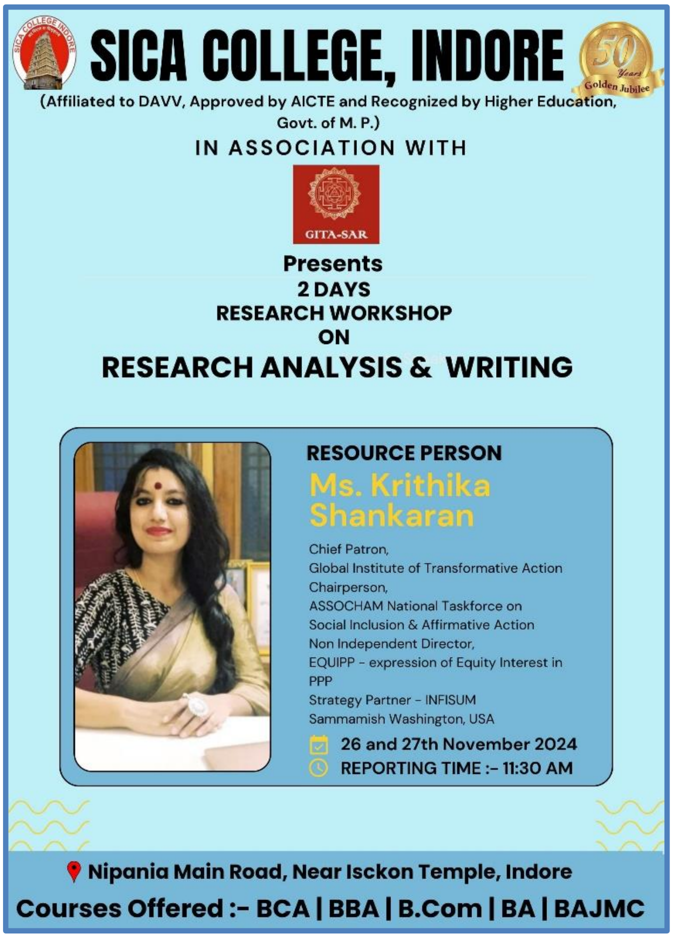

RAMASUBRAMANIAN SRIDHAR

Digitally signed by RAMASUBRAMANIAN SRIDHAR
Date: 2026.01.09 14:17:57 +05'30'

दैनिक भास्कर
भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

देश-विदेश के 180 शोधार्थियों व विशेषज्ञों ने प्रस्तुत किए शोध

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पत्रिका plus कॉन्फ्रेंस

इंदौर. 'विकसित भारत-2047' की संकल्पना पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 27 और 28 मई को आयोजित की गई। सिका कॉलेज में हुई शैक्षणिक संगोष्ठी में देश-विदेश के 180 से अधिक शोधार्थियों व विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन उच्च शिक्षा विभाग के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. रमेश चंद्र दीक्षित ने किया। उन्होंने सुझाव दिया कि इस कॉन्फ्रेंस के शोध निष्कर्षों को एकत्र कर ऑनलाइन प्रकाशित किया जाए और शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाए, जिससे यह नीति निर्माण में सहायक हो सके। कार्यक्रम के दौरान शोधार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में सिका एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन पी. बाबूजी और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आर. श्रीधर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बाबूजी ने कहा, विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब हम आर्थिक और तकनीकी प्रगति के साथ संस्कृति और दर्शन की विरासत को भी समृद्ध करेंगे। कॉन्फ्रेंस की चेयरपर्सन एवं सिका कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गुंजन शुक्ला ने बताया, यह आयोजन एनडीएलआइ क्लब, आइआइटी खड़गपुर के सहयोग से हुआ। इसमें 'कॉमर्स व मैनेजमेंट, साइंस व टेक्नोलॉजी, आर्ट्स व ह्यूमैनिटीज' विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर आइएसएसएन और आइएसडीएन प्रोसीडिंग्स का विमोचन भी किया गया। इस आयोजन में मोरक्को, दुबई, मलेशिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका समेत आइआइटी दिल्ली और आइआइटी इंदौर के विद्वानों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में सहभागिता की।

हमारा विजन केवल कागजों तक ही सीमित न हो

चिन्मय मिशन इंदौर के प्रमुख स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती ने कहा, हमारा विजन कागजों तक सीमित न रह जाए। योजना व समयबद्ध क्रियान्वयन जरूरी है। इंदौर मेट्रो की देरी इसका उदाहरण है। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. चाकिर अजीजा, हसन यूनिवर्सिटी, मोरक्को, डॉ. अंकिता राजदेव, डायरेक्टर, एमिटी यूनिवर्सिटी, दुबई, डॉ. एस्थर मला, मलेशिया, डॉ. लुसिंडा और डॉ. राहुल मिश्रा, आइआइटी दिल्ली, डॉ. वैशाली सेठी, कनाडा वेस्ट यूनिवर्सिटी, प्रीति मिश्रा, सीनियर फैसिलिटेटर, डाटा साइंस, दक्षिण अफ्रीका, सुब्रते भौमिक, यूनिट हेड, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स शामिल रहे।

दो दिन चला सत्र

पहले दिन सत्रों की अध्यक्षता सिंबायोसिस, एप्लाइड साइंस विभाग के प्रो. डॉ. राम सिंह ने की। दूसरे दिन सत्रों का नेतृत्व डॉ. संतोष कुमार चौबे (आइएमएस, डीएवीवी) और डॉ. अनुराग जोशी (वैष्णव विद्यापीठ) ने किया। समापन सत्र में प्रो. आशीष तिवारी ने संबोधन दिया। उन्होंने प्रतिभागियों, फैकल्टी व आयोजन टीम को बधाई दी। संचालन डॉ. प्रतिभा सारस्वत व संयोजन डॉ. रंजना कानूनगो, डॉ. स्वाति केंदुरकर और आशीष तिवारी ने किया।

कर्मचारियों अधिकारियों के स्थानांतरण के   की जा रही है ताकि तबादला आदेश जारी   रही है।

सिका कॉलेज में इंटरनेशनल कांफ्रेंस

2047 में विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने पर मंथन

देश-विदेश के 180 से अधिक विद्वानों ने दो दिन पढ़े रिसर्च पेपर

इंदौर। सिका कॉलेज में इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस में 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के विषय पर 180 से अधिक शोधार्थियों ने अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए। कांफ्रेंस का उद्घाटन उच्च शिक्षा विभाग के एडिशनल डायरेक्टर, इंदौर डिविजन डॉ रमेश चंद्र दीक्षित ने किया। उन्होंने कहा कि इस कांफ्रेंस का सार आनलाइन पब्लिश करवाकर इसे शासन प्रशासन को भेजा जाना चाहिए। इस अवसर पर सिका एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन पी बाबूजी, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ आर श्रीधर विशेष रूप से उपस्थित रहे।सिका एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन पी बाबूजी ने कहा कि आर्थिक और तकनीकी विकास के साथ संस्कृति और दर्शन की विरासत को समृद्ध करते हुए हम भारत को विकसित बना सकेंगे।

कांफ्रेंस की चेयरपर्सन एवं सिका कॉलेज की प्राचार्य डॉ गुंजन शुक्ला ने

बताया कि इंटरनेशनल कांफ्रेंस में कॉमर्स एवं मैनेजमेंट, साइंस एवं टेक्नालॉजी और आर्ट्स एवं ह्यूमेनिटीज के तकनीकी सत्र हुए। यह इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एनडीएलआई क्लब आईआईटी खरगपुर के सहयोग से आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस में आईएसएसएन एवं आईएसबीएन प्रोसिडिंग का विमोचन भी किया गया

इंटरनेशन कांफ्रेंस में विशेष वक्ता के रूप में चिन्मय मिशन इंदौर के प्रमुख स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा जब हम विजन को कार्यरूप में बदल पाएं।

इस कांफ्रेंस में मोरक्को, दुबई, मलेशिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी इंदौर के विद्वान आफलाइन एवं आनलाइन मोड में शामिल हुए। कांफ्रेंस में प्रमुख वक्ता के रूप में डीएवीवी कॉलेज की महाविद्यालय विकास परिषद के डीन डॉ राजीव दीक्षित ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए विद्यार्थियों और शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस कांफ्रेंस में मोरक्को, दुबई, मलेशिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी इंदौर के विद्वानों ने सहभागिता की। इनमें प्रमुख रूप डॉ चाकिर अजीजा, हसन यूनिवर्सिटी मोरक्को, डॉ अंकिता राजदेव, डायरेक्टर एमिटी यूनिवर्सिटी दुबई, डॉ एस्थर मला मलेशिया, डॉ लुसिंडा, आईआईटी दिल्ली, डॉ राहुल मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर आईआईटी दिल्ली, डॉ वैशाली सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर, कनाडा वेस्ट यूनिवर्सिटी, प्रीति मिश्रा, सीनियर फेसिलिटेटर,डाटा साइंस, दक्षिण अफ्रीका, सुब्रतो भौमिक, यूनिट हेड टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट लि., मैनेजमेंट एक्सपर्ट अनिल मलिक ने विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने को लेकर वक्तव्य दिया। कांफ्रेंस के दूसरे दिन 27 मई को ह्यूमेनिटीज, आईटी एवं कंप्यूटरसाइंस, मैनेजमेंट के तकनीकी सत्र हुए। पहले दिन सेशन की अध्यक्षता सिंबायोसिस के एप्लाइड साइंस विभाग के प्रोफसर डॉ राम सिंह ने की और शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। दूसरे दिन सेशन की अध्यक्षता संतोष कुमार चौबे, आईएमएस डीएवीवी, डॉ अनुराग जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर वैष्णव विद्यापीठ ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रतिभा सारस्वत ने किया। कांफ्रेंस के संयोजक आशीष तिवारी, सह संयोजक डॉ रंजना कानूनगो, डॉ स्वाति केंदुरकर ने बताया कि कांफ्रेंस में ही शोधार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। समापन संबोधन प्रो आशीष तिवारी ने दिया। कांफ्रेंस की सफलता में कॉलेज के समस्त फैकल्टी सदस्यों और स्टाफ का योगदान रहा।

1/

भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

इंदौर के सिका कॉलेज में वर्कशॉप: रिसर्च एनालिसिस एवं रिसर्च राइटिंग पर दो दिवसीय रिसर्च का आयोजन